For Your Information...

DigiLocker registered users till

Jan 2019: 1.92 Crore

Jan 2020: 3.55 Crore

Jan 2021: 5.47 Crore

June 2021: 6.65 Crore

Nov 2021: 8.82 Crore

May 2022: 11.00 Crore

Source: MeitY

Compiled by Nafanuksan Research

यहां करें भ्रष्टाचार की शिकायत

एसीबी टोल फ्री नंबर : 1064
वाट्सऐप हेल्पलाइन नं. : 9413502834

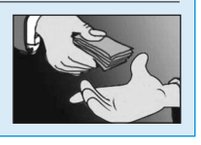

विचार सागर

''सुखी जीवन के लिए आदमी को या तो अपनी आवश्यकताओं को सीमित करना चाहिए या फिर अपने संशोधनों में वृद्धि करनी चाहिए।''

- पी.सी. वर्मा

''समानता मानवता का मूलाधार है।''

- उपप्रवर्तक श्री विनयमुनि 'वागीश'

Thoughts of the time

No longer talk at all about the kind of man a good man ought to be, but be such.

- Marcus Aurelius Antonius

Just as the stars shines in the dark, so you do!

- Suresh Rathi

राजस्थानी कहावत

गहण लाग्यौ ई कोन्या, मंगता फैला ई भेळा व्हैगा

ग्रहण लगा ही नहीं, भिखारी पहले ही इकट्ठा हो गये

■ किसी आयोजन से पहले ही भीड़ हो जाय तब।

-स्व. विजय दान देथा
साभार : रूपायन संस्थान, बोरूंदा

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गोयल आज भीलवाड़ा में

भीलवाड़ा/नि.सं.। केंद्रीय वाणिज्य, उद्योग एवं वस्त्र मंत्री पीयूष गोयल 23 फरवरी को अपरान्ह 1.30 बजे होटल ग्लोरिया इन में उद्योगों एवं निर्यात में भावी विकास की संभावनाओं पर गोष्ठी को संबोधित करेंगे। गोयल इसके बाद चित्तौड़गढ़ रोड स्थित टेक्सटाइल इकाइयों में आधुनिकीकरण का अवलोकन भी करेंगे। मेवाड़ चैम्बर के मानद महासचिव आर के जैन ने बताया कि चैम्बर के विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने विगत चार वर्षों में अनेक बार केंद्रीय वाणिज्य, उद्योग एवं वस्त्र मंत्री पीयूष गोयल से भीलवाड़ा के टेक्सटाइल उद्योग में तकनीकी परिवर्तन एवं आधुनिकीकरण को लेकर व्यापक चर्चा की थी। इसी के परिणामस्वरूप गोयल ने यहां के औद्योगिक विकास से अत्यधिक प्रभावित होकर भीलवाड़ा आकर इसे देखने की इच्छा जाहिर की थी। केंद्रीय मंत्री वस्त्रनगरी के टेक्सटाइल उद्योगों में विगत वर्षों में हुए टेक्नीकल टेक्सटाइल सेक्टर एवं अपेरेल सेक्टर में विकास की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए इन सेक्टर में वस्त्र मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं को लेकर कपड़ा उद्यमियों से व्यापक चर्चा करेंगे। विश्व में टेक्नीकल टेक्सटाइल का 250 बिलियन डॉलर का व्यवसाय हो रहा है, लेकिन इसमें भारत का योगदान मात्र 19 बिलियन डॉलर का है।

संपादकीय

राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता का स्वप्न दलों व नेताओं की महत्वाकांक्षा के कारण क्या हो सकेगा साकार

कुशाग्र

चुनाव 2023-24

राष्ट्रीय राजनीति में एक बार पुन: विपक्षी एकता को लेकर बहस छिड़ गई है। अभी हाल ही में उत्तर-पूर्व के 3 राज्यों के चुनाव हो रहे हैं। इसके पश्चात 2023 में 6 और राज्यों के चुनाव प्रस्तावित हैं और वर्ष 2024 की शुरुआत में देश आम चुनाव का सामना करेगा। ऐसे हालात में विपक्ष के कुछ नेताओं ने कांग्रेस को यह स्पष्ट कह दिया है कि वह विपक्षी एकता के लिए समय रहते अपने प्रयास शुरू करें अन्यथा बहुत विलंब हो सकता है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जो इस समय भाजपा से अलग होकर कांग्रेस के सहयोग से सरकार चला रहे हैं, ने एक कार्यक्रम के दौरान जहां सलमान खुर्शीद भी शामिल थे, स्पष्ट कह दिया कि कांग्रेस ने अगर भारत जोड़ो यात्रा के बाद विपक्षी एकता के लिए पहल नहीं की तो बहुत विलंब हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में अगर विपक्ष एकजुट हो जाता है तो भाजपा लोकसभा में केवल 100 सदस्यों की पार्टी रह जाएगी। नीतीश कुमार की यह पीड़ा समझ में आ सकती है, क्योंकि उन्होंने भाजपा के सहयोग से सरकार चलाने का कार्य किया है। वह समय-समय पर अपने साथियों को बदलते भी रहे हैं, लेकिन संभवत वह अपने दल की प्रधानमंत्री नेतृत्व की दावेदारी को नहीं छोड़ सकते हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वह प्रधानमंत्री की दौड़ में शामिल नहीं है, लेकिन नीतीश के संदर्भ में कोई स्पष्ट भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है, क्योंकि राजनीति में वह चुनाव किसके साथ मिलकर लड़ते हैं और बाद में सरकार किसी और के साथ मिलकर भी बना लेते हैं। वर्ष 2015 में भाजपा के विरुद्ध विधानसभा चुनाव लड़े थे, लेकिन 2017 में वह भाजपा के साथ जाकर मुख्यमंत्री बन गए। उसके पश्चात हुए लोकसभा चुनाव में उन्हें बिहार में भाजपा के साथ सहयोग से 16 सीटें प्राप्त हुईं। इससे पूर्व 2014 के चुनाव में उन्हें केवल 2 सीटें ही मिली थीं, लेकिन पुन: वे भाजपा को छोड़कर अलग हो गए। कांग्रेस के सहयोग से चुनाव लड़कर बाद में क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर सरकार के लिए अपना दावा ठोक सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस ने भी नीतीश को जानते हुए केवल उनके वक्तव्य का स्वागत किया है। इसके साथ ही जयराम रमेश ने स्पष्ट कह दिया है कि कांग्रेस अपनी हैसियत व दायित्व को भलीभांति जानती है। इसी से स्पष्ट हो जाता है कि कांग्रेस नीतीश को अधिक महत्व नहीं देगी। कांग्रेस ने यह भी कह दिया है कि कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है, जिसने कभी भाजपा के साथ समझौता नहीं किया है। यह भी नीतीश के प्रस्ताव का जवाब है, क्योंकि नीतीश तो भाजपा के सहयोगी तथा उसके साथ मिलकर सरकार चला चुके हैं, केंद्र में भी अटल जी के साथ सहयोगी की भूमिका में मंत्री रह चुके हैं। फिलहाल यह महत्वपूर्ण तथ्य है कि देश में विपक्षी एकता का क्या परिणाम संभव है? ऐसा कह देना फिलहाल संभव नहीं लगता है कि सभी विपक्षी नेता कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष को एकजुट करने पर सहमत हो जाएंगे क्योंकि अधिकांश राज्यों में आज भी कांग्रेस की स्थिति कमजोर है और विपक्ष व क्षेत्रीय दल कांग्रेस को उसकी वांछित सीटें सहज ही देगा, इसमें संदेह है।

विपक्षी एकता का एक नजारा तो अभी हाल ही के त्रिपुरा, मेघालय व नागालैंड चुनाव में भी देखने को मिल रहा है, जहां तृणमूल कांग्रेस, वामपंथी व अन्य पार्टियां भाजपा के मुकाबले कोई एक उम्मीदवार खड़ा नहीं कर पाई। ममता बनर्जी मेघालय की सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं और त्रिपुरा में उसने वामदलों व कांग्रेस से कोई बात नहीं की थी। यही स्थिति उत्तर प्रदेश की है, जहां कांग्रेस लगभग समाप्त हो चुकी है। क्या अखिलेश यादव व मायावती कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में 15 से 18 लोकसभा सीटें देने पर सहमति दे देंगे और क्या कांग्रेस उत्तर प्रदेश में, जहां उनके सांसदों की संख्या 2 ही है वह 20 से अधिक सीटों की मांग नहीं करेगी? यही स्थिति उड़ीसा में है, जहां नवीन पटनायक तो इस विवाद में शामिल ही नहीं है। वह स्थिरता के साथ सरकार चला रहे हैं और उन्हें किसी से कोई लगाव भी नहीं है। वह किसी भी दल के लिए कोई सीट छोड़ेंगे, इसमें संदेह है। पंजाब में क्या आप, अकाली और कांग्रेस के बीच समझौता संभव होगा अथवा क्या आप पार्टी दिल्ली में कोई सीट अखिलेश व कांग्रेस के लिए छोड़ने के लिए तैयार होगी? इसी तरह राजस्थान और मध्य प्रदेश में अखिलेश, मायावती व आप जैसे दल कांग्रेस से सीटों की मांग कर सकते हैं, क्योंकि यह पार्टियां इन राज्यों में अपने पांव फैलाने का कार्य कर रही है, लेकिन कांग्रेस हर हाल में इन राज्यों में इन दलों के लिए त्याग नहीं करेगी। यही स्थिति गुजरात के संदर्भ में भी कही जा सकती है, जहां आप ने 6 फीसदी से अधिक मत प्राप्त कर लिए हैं और कांग्रेस के मतों में गिरावट आई है। ऐसे हालात में यह पार्टी गुजरात में भी 50 फीसदी तक दावेदारी कर सकती है।

जहां तक महाराष्ट्र का प्रश्न है। शिवसेना जिसका चुनाव चिन्ह ही उसके पास नहीं रहा है, शिवसेना जिसने पिछला चुनाव भाजपा के सहयोग से लड़ा था और अच्छी संख्या में सांसद चुने गए थे लेकिन अधिकांश एकनाथ शिंदे के साथ चले गए। लेकिन क्या यह पार्टी कांग्रेस, शरद पवार, नीतीश कुमार, ममता बनर्जी व अखिलेश यादव के लिए सीटें छोड़ने के लिए तैयार हो सकती है? क्योंकि सीटों का यह बंटवारा उसके आधार को ही नष्ट कर देगा। जहां तक दक्षिण में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश का प्रश्न है केसीआर, चंद्रबाबू कांग्रेस के साथ सीटों का बंटवारा करेंगे, इसमें संदेह है। कांग्रेस वहां तक अपना प्रभाव पूरी तरह खो चुकी है, लेकिन कांग्रेस इन राज्यों में अपने अस्तित्व को लेकर पूरी तरह सौदेबाजी अवश्य ही करेगी।

यही स्थिति तमिलनाडु के तमिल दलों के साथ देखी जा सकती है, तो केरल में वामपंथी क्या कांग्रेस को सीटों में हिस्सेदारी देंगे और क्या ममता बंगाल में वाम दलों व कांग्रेस को 50 प्रतिशत सीटें भी देने पर सहमत हो जाएंगी? यहां तक कर्नाटक का प्रश्न है कांग्रेस के समक्ष सीटों के बंटवारे को लेकर फिलहाल बहुत अधिक समस्या नजर नहीं आती है, लेकिन देवेगौड़ा व अन्य क्षेत्रीय दल कांग्रेस के एकाधिकार को स्वीकार करेंगे, इसमें संदेह है और कांग्रेस के प्रस्ताव पर सहमति देंगे, इसमें भी संदेह है। हरियाणा में भी क्षेत्रीय दल कांग्रेस के लिए अधिक सीटें छोड़ने के लिए सहमत नहीं होंगे।

आज भी कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी एकता अगर नहीं होती है तो तीसरे मोर्चे का नेतृत्व कौन करेगा? और क्या तीसरा मोर्चा कांग्रेस के विरुद्ध ताल ठोक कर भाजपा से सत्ता हासिल करने में सफल हो सकेगा? तीसरे मोर्चे में प्रबल दावेदारों में नीतीश, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव व अरविंद केजरीवाल शामिल हैं, जो कांग्रेस के राहुल गांधी को अपना नेता स्वीकार नहीं करेंगे, ऐसी पूरी संभावना है। यह परिस्थितियां निश्चित रूप से विपक्षी एकता पर प्रश्न चिन्ह लगा देती है।

देश के लोकतंत्र की सफलता के लिए एक मजबूत व कार्यक्रम के आधार पर तैयार विपक्ष अनिवार्य है, लेकिन इसमें कितनी सफलता आगामी चुनाव तक मिलेगी, मिल सकेगी, इसका आंकलन तो समय आने पर ही संभव होगा। फिलहाल नरेंद्र मोदी के विरुद्ध महंगाई, बेरोजगारी व भाजपा के विरुद्ध सांप्रदायिकता का आरोप तो लग रहा है, लेकिन देश की जनता ने कोविड काल में उचित स्तर पर टीकाकरण, 80 करोड़ लोगों को खाद्यान्न सुलभ कराने की योजना, दो करोड़ लोगों को मकान मिलने एवं 11 करोड़ शौचालय के साथ ही आठ करोड़ महिलाओं को रसोई गैस कनेक्शन की सुविधा, आयुष्मान भारत योजना, नल से जल योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को लाभ, विद्युतीकरण का ग्रामीण स्तर पर फैलाव ऐसे उदाहरण हैं, जो उचित विकल्प के अभाव में नागरिकों की पसंद बन सकते हैं। लेकिन संगठित विपक्ष आज भी लोकतंत्र की आवश्यकता है।

समय की मांग

पेंसिल हमको है मिली, तरुवर से अवदान।
इसके कारण पा रहे, ज्ञान-ध्यान-विज्ञान।।

साभार :- शारदा-नवल डागा

आज का विचार

सबके साथ मैत्री रखनी और सबकी सेवा करनी चाहिए। - अज्ञात

नफा नुकसान

स्वत्वाधिकारी कुशाग्र पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए मुद्रक व प्रकाशक जितेन्द्र कोठारी द्वारा 52-53, कल्याण कॉलोनी, मालवीया नगर, जयपुर-17 (रजि. ऑफिस) एवं 204, गौरव टॉवर मालवीया नगर, जयपुर-17 (कार्यालय) से प्रकाशित एवं कुशाग्र पब्लिकेशन्स प्रा. लिमिटेड, एसपीएल-4(ए), सीतापुरा इण्डस्ट्रियल एरिया, जयपुर से मुद्रित।

सम्पादक: वैभव कोठारी
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)

फोन: 0141-4011152
0141-3518087

ई-मेल : info@nafanuksan.com

डिसक्लेमर

नफा नुकसान में प्रकाशित हर प्रकार के कंटेंट के जरिए पाठको को कारोबारी जगत में हो रहे घटनाक्रमों की जानकारी, विश्लेषण, सूचनाएं आदि देने का प्रयास रहता है। इनमें से कई बार ऐसे से कंटेंट का प्रकाशन भी हो सकता है जो नफा नुकसान के पास उपलब्ध जानकारियों से मेल नहीं खाता हो व अलग हो। इसलिए नफा नुकसान में प्रकाशित कंटेंट के आधार पर अगर कोई कैसा भी निर्णय करता है तो उसकी जिम्मेदारी नफा नुकसान नहीं लेता है। पाठक स्वयं अपने विवेक से ही निर्णय करें ऐसी अपेक्षा की जाती है। नफा नुकसान में जिन विज्ञापनों का प्रकाशन किया जाता है उनके बारे में यह स्पष्ट किया जाता है कि नफा नुकसान का किसी भी विज्ञापनदाता से विज्ञापन के अलावा अन्य कोई सारोकार नहीं है और न ही विज्ञापनों में दर्शाई सामग्री का कोई समर्थन नफा नुकसान द्वारा किया जाता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण व दावे के लिए विज्ञापनदाता ही जिम्मेदार होगा। नफा नुकसान में प्रकाशित कंटेंट लेखकों, न्यूज एजेंसी व संपादकीय विभाग द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं जिनपर पूरी तरह से नफा नुकसान का सर्वाधिकार है। नफा नुकसान में प्रकाशित किसी भी तरह के कंटेंट का किसी भी व्यक्ति, संस्थान या अन्य द्वारा बिना नफा नुकसान की लिखित अनुमति के प्रकाशन व प्रसारण किया जाना गैर-कानूनी होगा।

नेशनल • इंटरनेशनल

राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो को प्रमोट करने में जुटी आरईपीसी

जयपुर/का.सं.। राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो को प्रमोट करने के उद्देश्य से राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (आरईपीसी) ने मुंबई में चल रहे रीटेल लीडरशिप समिट के प्रथम दिन देश के खुदरा विक्रेताओं के प्रमुख संगठन रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और इंडो-अफ्रीकन चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ एमओयू किये। यह जानकारी आरईपीसी एवं राजसीको के चेयरमैन राजीव अरोड़ा ने दी। एमओयू पर रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से डायरेक्टर फाइनेंस एंड एडवोकेसी गौतम जैन, इंडो-अफ्रीकन चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से डायरेक्टर जनरल सुनंदा राजेंद्रन और आरईपीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीआर शर्मा ने हस्ताक्षर किए।

राजीव अरोड़ा ने बताया कि आरईपीसी द्वारा राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो के प्रचार-प्रसार, अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने और संस्थागत, व्यापारिक एवं व्यावसायिक संबंधों को विकसित करने के उद्देश्य से स्विस-इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स के अतिरिक्त बॉईंग एसोसियेशन ऑफ इंडिया, सेटिन फिनसर्व लिमिटेड, 10 टाइम्स से एमओयू करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। आरईपीसी द्वारा हाल ही में नेशनल यूस इंडिया चैंबर ऑफ कॉमर्स, यूरॉल चैंबर ऑफ कॉमर्स, रशिया एवं ग्लोबल बिजनेस फेडरेशन मिड्ल ईस्ट, यूएई के साथ एमओयू किया है। साथ ही राज्य एवं देश में प्रमुख रूप से सक्रिय व्यापारिक संगठनों जैसे आरोह एवं फोर्टी से भी एमओयू किया जा चुका है। ये प्लेटफॉर्म ना केवल एक्सपो को, बल्कि एक्सपो में भाग लेने वाले आर्टिजन्स को व्यापारिक स्तर पर नये आयाम हासिल करने में सहायता प्रदान करेंगे।

रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और इंडो-अफ्रीकन चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ एमओयू

एक्सपो का प्रथम संस्करण जोधपुर में : प्रदेश के हैण्डीक्राफ्ट, वुडन एवं आयरन फर्नीचर, स्टील के बर्तन, कृषि खाद्य उत्पाद, स्टोन आर्टिकल्स, इंजीनियरिंग गुड्स क्षेत्र में निर्यात को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो का प्रथम संस्करण जोधपुर में 20 से 22 मार्च को बोरोनाड़ा स्थित ट्रेड फेसिलिटेशन सेंटर में आयोजित किया जायेगा। एक्सपो में 20 हजार वर्ग मीटर के एग्जीबिशन एरिया में 5 डोम लगाये जायेंगे, जिनमें कुल 318 स्टॉल्स होगी। आरईपीसी राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की अधिसूचना के तहत गठित एक गैर लाभकारी संगठन है। राजस्थान में उद्यमिता विकास, निर्यात बुनियादी ढांचे के विकास और निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र के विकास से लेकर विनिर्माण, सेवा और व्यापार क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए कार्य करने को प्रतिबद्ध है।

राजस्थान आवासन मण्डल -जाहिर आम सूचना-
RAJASTHAN HOUSING BOARD
(A State Government Enterprise Constitued Under RHB Act 1970)

क्रमांक आरई/भील/2022-23/ 2371 दिनांक : 15-02-2023

राजस्थान आवासन मण्डल के आवासीय कॉलोनी चन्द्रशेखर आजाद नगर योजना शहर भीलवाड़ा के आवास संख्या 4-सी-11, श्री ठाकुरदास सिन्धी पुत्र स्व. श्री फतुमल सिन्धी को आवंटित किया गया। आवास का आवंटन पत्र क्रमांक 1911 दिनांक 29.09.2001 के द्वारा जारी कर दिनांक 30.10.2001 को आवास का भौतिक कब्जा सुपूर्द किया गया। आवास का नियमितिकरण उपरान्त नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण-पत्र क्रमांक 5139 दिनांक 25. 03.2013 को श्री गिरिराज सिंह पुत्र श्री रघुवीर सिंह के नाम से जारी किया गया।

श्री गिरिराज सिंह पुत्र श्री रघुवीर सिंह के पक्ष में आवास के पंजीयन हेतु दिनांक 30.03.2013 को पंजीयन प्रपत्र जारी किये गये। जिसे आवंटी ने दिनांक 30.03.2013 को उप पंजीयक कार्यालय भीलवाडा में पंजीयन करवा लिये थे।

इसके पश्चात् उक्त आवास जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 26.10.2015 को श्री गिरिराज सिंह पुत्र श्री रघुवीर सिंह राजावत द्वारा श्री राजाराम शर्मा पुत्र श्री बालुलाल शर्मा को बेचान किया गया।

इसके पश्चात् उक्त आवास जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 20.07.2020 को श्री राजाराम शर्मा पुत्र श्री बालुलाल शर्मा द्वारा श्रीमती गोपाल कंवर पत्नि श्री ओपेन्द्र सिंह को बेचान किया गया।

अब अंतिम क्रेता श्रीमती गोपाल कंवर पत्नि श्री ओपेन्द्र सिंह द्वारा आवास दोहरा पंजीयन उपरान्त नामान्तरण हेतु निर्धारित प्रशासनिक शुल्क राशि जमा करवाकर मय चालान की प्रति संबंधित विक्रय चैनल व अन्य प्रपत्र सहित प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया हैं जिसकी मण्डल रिकार्ड में इन्द्राज की कार्यवाही विचाराधीन है।

अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की सार्वजनिक प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी तथा नामान्तरण की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित करदीजावेगी।

आवासीय अभियन्ता-राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड भीलवाड़ा

अणुव्रत के नियमों को जीवन में उतारने का आह्वान

अणुव्रत आंदोलन के 75वें स्थापना दिवस वर्ष के शुभारंभ पर निकाली रैली

बीकानेर/नि.सं.। आचार्य महाश्रमण की पावन प्रेरणा और अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशानुसार अणुव्रत आंदोलन के 75वें स्थापना दिवस वर्ष के शुभारंभ पर बीकानेर में अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए। अणुव्रत समिति गंगाशहर की ओर से तेरापंथ भवन से तुलसी धाम तक रैली निकाली गई।

तेरापंथ भवन में मुनि श्री श्रेयांश कुमार जी एवं विमल बिहारी जी ने मंगल पाठ सुनाकर सभी को आशीर्वाद प्रदान किया। उसके बाद आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष हंसराज डागा, सभा के अध्यक्ष अमर चंद सोनी, महिला मंडल की अध्यक्ष ममता, समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बोथरा, अणुव्रत समिति के राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार मंत्री धर्मेंद्र डाकलिया ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली फिर धर्म सभा में परिवर्तित हो गई, जिसमे शासन श्री साध्वी शशि रेखा जी एवं साध्वी श्री ललित कला जी ने अपना मंगल उद्बोधन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि आज गुरुदेव तुलसी के महत्वपूर्ण अवदान अणुव्रत को जन-जन को अपनाने की जरूरत है। इस अवसर पर सैकड़ों अणुव्रत संकल्प-पत्र भी भरवाए गए। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने हाथ में तख्तियां लिये शांति और सद्भावना का संदेश देते हुए अणुव्रत का पालन करने की बात कही।

इस रैली में अर्हम इंग्लिश एकेडमी, आदर्श विद्या मंदिर व आदर्श शिक्षा निकेतन के बच्चे व अध्यापक शामिल रहे। इसके बाद नैतिकता के शक्तिपीठ पर एक धर्मसभा हुई, जिसमें मुख्य अतिथि राजेन्द्र सेठिया ने अणुव्रत की आचार संहिता की पूरी जानकारी देते हुए अणुव्रत के नियमों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया।

समिति अध्यक्ष राजेन्द्र बोथरा ने बताया कि पूरे वर्ष अणुव्रत अमृत वर्ष के रूप में मनायेंगे, जिसमें अनेक तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन संतोष बोथरा व अनुपम सेठिया ने किया। भंवरलाल सेठिया ने सभी का आभार जताया।

एनएन आरएसवी के स्टूडेंट्स ने जाना राजस्थान में ऊंट का महत्व

बीकानेर/नि.सं.। एनएन आरएसवी उच्च माध्यमिक विद्यालय के सीनियर विंग के स्टूडेंट्स ने उष्ट्र अनुसंधान केंद्र संस्थान का शैक्षणिक भ्रमण किया। स्टूडेंट्स को उष्ट्र अनुसंधान केंद्र के डायरेक्टर ए साहू ने एनआरसीसी के संदर्भ में और उसके कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने ऊंट के स्वभाव एवं राजस्थान में उसकी उपयोगिता के बारे में बताया और स्टूडेंट्स की जिज्ञासाओं को शांत किया। इस मौके पर उष्ट्र अनुसंधान से संबंधित विभिन्न प्रयोगशालाओं की कार्यप्रणाली से भी परिचित करवाया गया।

एलन के 5 स्टूडेंट्स चयनित

कोटा/नि.सं.। इंटरनेशनल ओलंपियाड इन इंफोर्मेटिक्स के दूसरे चरण इंडियन नेशनल ओलंपियाड इन इंफोर्मेटिक्स के एग्जाम में एलन के स्टूडेंट्स ने सफलता हासिल की है। एलन कॉरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि ओलम्पियाड के तीसरे चरण के लिए देशभर से 36 स्टूडेंट्स का चयन किया गया, जिनमें 5 स्टूडेंट्स एलन से हैं।

सोमी कंवेयर बेल्टिंग्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: 4एफ-15, 'ऑलिवर हाउस', न्यू पॉवर हाउस रोड़, जोधपुर-342003,
दूरभाष:+91-291-2765400 से 09/ फैक्स: +91-291-2765410
ई-मेल: info@ombhansali.com/ वेबसाईट: www.somiinvestor.com
CIN: L25192RJ2000PLC016480

असाधारण आम बैठक और ई-वोटिंग की सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी की असाधारण आमबैठक (ईजीएम) सूचना में निर्धारित व्यवसाय का संचालन करने के लिए शुक्रवार, 17 मार्च, 2023 को सुबह 11:30 बजे 4एफ-15, 'ऑलिवर हाउस', न्यू पॉवर हाउस रोड, जोधपुर - 342003 पर आयोजित की जायेगी।

ईजीएम की सूचना 21 फरवरी, 2023 को केवल उन्हीं सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक मोड से भेजी गई है, जिनका ईमेल पता कंपनी/आरटीए/डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स (डीपी) के पास पंजीकृत है। उक्त नोटिस कंपनी की वेबसाइट https://www.somiinvestor.com/ पर और बीएसई की वेबसाइट https://www.bseindia.com/ पर और एनएसई की वेबसाइट https://www.nseindia.com/. पर उपलब्ध कराया गया है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108, कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20, यथासंशोधित और सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के नियम 44 के अनुपालन में कंपनी सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों ('ई-वोटिंग') द्वारा बैठक में पारित किए जाने वाले प्रस्तावों पर मतदान के अपने अधिकार का प्रयोग करने की सुविधा प्रदान कर रही है। सदस्य बैठक के स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम ('रिमोट ई-वोटिंग') का उपयोग करके अपना वोट डाल सकते हैं। कंपनी ने ई-वोटिंग सुविधा प्रदान करने के लिए एजेंसी के रूप में सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) की सेवाएं ली है।

ईजीएम बुलाने के नोटिस में दी गई रिमोट ई-वोटिंग से संबंधित जानकारी कंपनी की वेबसाइट www.somiinvestor.com और सीडीएसएल की वेबसाइट www.evotingindia.com पर अपलोड की गई है। सदस्यों से अनुरोध है कि वे निम्नलिखित को नोट करें:

(क) रिमोट ई-वोटिंग सुविधा मंगलवार, 14 मार्च, 2023 को सुबह 9 बजे शुरू होगी और गुरुवार, 16 मार्च, 2023 को शाम 5.00 बजे समाप्त होगी। इसके बाद सीडीएसएल द्वारा ई-वोटिंग मॉड्यूल को मतदान के लिए निष्क्रिय कर दिया जाएगा और सदस्यों को उक्त तिथि और समय के बाद इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ख) जिस व्यक्ति का नाम कट-ऑफ तिथि अर्थात शुक्रवार, 10 मार्च, 2023 को सदस्यों/लाभार्थी स्वामियों के रजिस्टर में आता है, वह ही बैठक में रिमोट ई-वोटिंग/वोटिंग की सुविधा का लाभ उठाने का हकदार होंगे।

(ग) व्यक्ति जो ईजीएम की सूचना के प्रेषण के बाद कंपनी का सदस्य बनता है और कट-ऑफ तिथि तक शेयर धारण करता है, ईजीएम की सूचना में बताई गई प्रक्रिया का पालन करते हुये रिमोट ई-वोटिंग द्वारा वोट देने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकता है।

(घ) मतदान पत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा ईजीएम में उपलब्ध कराई जाएगी और बैठक में भाग लेने वाले सदस्य, जिन्होंने रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट नहीं डाला है, वे बैठक में मतदान कर सकेंगे।

(ङ) रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट डालने वाले सदस्य भी बैठक में शामिल हो सकते हैं लेकिन फिर से वोट डालने के हकदार नहीं होंगे।

(च) रिमोट ई-वोटिंग से संबंधित किसी भी प्रश्न/शिकायत को कंपनी संबोधित करते हुये सोमी कन्वेयर बेल्टिंग लिमिटेड, 4एफ-15, 'ऑलिवर हाउस', न्यू पॉवर हाउस रोड, जोधपुर- 342003, दूरभाष: +91-291-2765400 से 09, ईमेलआईडी- cmd@somiconveyor.com, gamare@unisec.in पर संपर्क किया जा सकता है।

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
सोमी कंवेयर बेल्टिंग्स लिमिटेड
कृते/-
ओम प्रकाश भंसाली
प्रबंध निदेशक

स्थान:जोधपुर
दिनांक: 21 फरवरी, 2023